http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 120

प्रयागराज बुधवार 15 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

सीएम ने बाबा गोरक्षनाथ को चढ़ायी खिचड़ी

● महाकुंभ के प्रति देश और दुनिया का आकर्षण अद्भुत व अकल्पनीयः मुख्यमंत्री

गोरखपुर,(एजेंसी)। गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने मकर संक्रन्ति के अवसर पर मंगलवार को कड़ाके की ठंड के बीच शिवावतारी बाबा गोरक्षनाथ को खिचड़ी चढ़ायी। साथ ही, पड़ोसी देश नेपाल के राज परिवार द्वारा भेजी गयी खिचडी चढायी गयी जिसके बाद मंदिर का मुख्य कपाट खिचडी चढाने के लिए श्रध्दालुओं को खोल दिया गया। सोमवार की रात से कतार में लगे श्रध्दालुओं का तांता शिवावतारी बाबा गोरखनाथ को खिचडी चढाना शुरू कर दिया। मुख्ययमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे के कंट्रोल रूम से बैठकर पूरी व्यवस्था पर नजर रखे हुए है। मंदिर के सचिव द्वारका तिवारी ने बताया कि तडके से दोपहर 12 बजे तक तक लगभग पांच लाख श्रध्दालुओं ने खिचडी चढा चुके हैं और देर रात तक लगभग 20 लाख ये अधिक बाबा गोरखनाथ को खिचडी चढाने का अनुमान हैं। खिचड़ी चढ़ाने के लिये पूर्वी उत्तर प्रदेश समेत बिहार,उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, गुजरात तथा अन्य प्रान्तों के अलावा पड़ोसी देश नेपाल से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का जनसैलाब गोरखनाथ मंदिर में एकत्र होते हैं। प्रतिवर्ष 14 या 15 जनवरी को सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ ही नाथ सम्प्रदाय के प्रसिद्ध शिवावतारी गोरक्षनाथ मंदिर में परम्परागत रूप से खिचड़ी चढ़ीने का क्रम शुरू हो जाता है। निर्धारित मुहूर्त में सबसे पहले गोरक्षपीठाधीश्वर द्वारा खिचड़ी चढ़ायी जाती है। श्रद्धालु मंदिर परिसर में स्थित भीम सरोवर में पहले स्नान करते हैं और उसके बाद योगी गोरखनाथ का दर्शन करने के बाद खिचड़ी चढ़ाते हैं। इस भीम सरोवर में देश के सभी पवित्र नदियों का पानी डाला गया है। मकर संक्रांति के तैयारियों के सिलसिले में शहर के चौराहों तथा गलियों में चूड़ा,लाई,पट्टी,तिलकुट तथा गजक की दुकानें सजी है।

'विश्व में भारत को लेकर भरोसा भी बढ़ा'

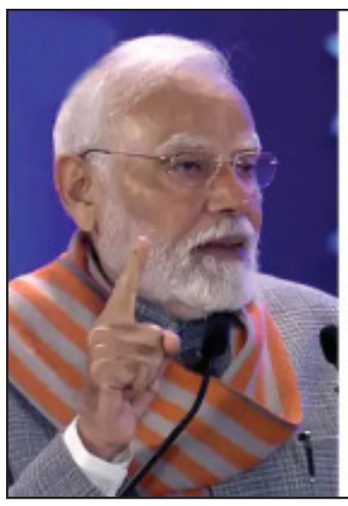

● मोदी बोले- आज वश्वट्सएप पर मौसम अपडेट मिलता हैः 10 सालों में साइक्लोन से जनहानि जीरो, पहले हजारों जानों को नियति कहकर टाल देते थे

● अब भूकंप की चेतावनी देने वाला तंत्र विकसित करने की जरूरत, पीएम मोदी ने मौसम वैज्ञानिकों को दी सलाह

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के 150वें स्थापना दिवस के समारोह में भाग लिया और श्मिशन मौसमश का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने मौसम वैज्ञानिकों से भूकंप की चेतावनी देने वाला तंत्र विकसित करने के लिए कहा।इससे देश को प्राकृतिक आपदा के समय होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के 150वें स्थापना दिवस के समारोह में भाग लिया और श्मिशन मौसमश का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने मौसम वैज्ञानिकों से भूकंप की चेतावनी देने वाला तंत्र विकसित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इससे देश को प्राकृतिक आपदा के समय होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा कि श्मौसम विज्ञान किसी भी देश की आपदा प्रबंधन क्षमता का सबसे जरूरी सामर्थ्य होता है। प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम से कम करने के लिए हमें मौसम विज्ञान की कार्यकुशलता को अधिकतम करने की आवश्यकता होती है। विज्ञान में प्रगति और इसकी पूरी क्षमता का उपयोग करने से देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को आकार मिला है। पीएम मोदी ने कहा कि अब भूकंप के लिए चेतावनी प्रणाली विकसित करने की जरूरत है। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को इस दिशा में काम करना चाहिए।मिशन मौसम की शुरुआत की पीएम नरेंद्र मोदी ने मिशन मौसम की शुरुआत की। इस मिशन का लक्ष्य अत्याधुनिक मौसम निगरानी तकनीक और सिस्टम विकसित करके, उच्च–रिजोल्यूशन वायुमंडलीय अवलोकन, अगली पीढ़ी के रडार और उपग्रहों एवं उच्च–प्रदर्शन कंप्यूटरों को कार्यान्वित करते हुए उच्च स्तरीय क्षमता को हासिल करना है। पीएम मोदी ने कहा कि मिशन का मकसद भारत को मौसम के प्रति तैयार और जलवायु के प्रति स्मार्ट राष्ट्र बनाना है। मिशन मौसम का उद्देश्य मौसम और जलवायु प्रक्रियाओं की समझ को बेहतर बनाने, वायु गुणवत्ता डेटा प्रदान करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा जो लंबे समय में मौसम प्रबंधन और हस्तक्षेप की रणनीति बनाने में सहायता प्रदान करेगा। श्विश्व में भारत को लेकर भरोसा भी बढ़ाश उन्होंने कहा कि हमारी मौसम संबंधी प्रगति के साथ हमारी आपदा प्रबंधन क्षमता का निर्माण हुआ है। इसका फायदा पूरी दुनिया को मिल रहा है। आज हमारा फ्लैश फ्लड गाइडेंस सिस्टम नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को भी मदद दे रहा है। हमारे पड़ोस में कहीं कोई आपदा आती है, तो भारत सबसे पहले मदद के लिए उपस्थित होता है। इससे विश्व में भारत को लेकर भरोसा भी बढ़ा है। दुनिया में विश्व बंधु के रूप में भारत की छवि और भी मजबूत हुई है। आईएमडी विजन–2047 दस्तावेज भी जारी किया प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में मौसम संबंधी अनुकूलता और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए आईएमडी विजन–2047 दस्तावेज भी जारी किया।

आतिशी ने कालकाजी विधानसभा से नामांकन दाखिल किया

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी की नेता एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से मंगलवार को अपना नामांकन दाखिल किया। सुश्री आतिशी ने नामांकन दाखिल करने के लिए सोमवार को लंबा रोड शो निकाला था, लेकिन देर होने की वजह से पर्चा नहीं भर पाई। उन्होंने कल रोड शो से पहले कालकाजी मंदिर में पूजा–अर्चना की और गिरी नगर गुरुद्वारा में मत्था टेका था। उसके बाद

पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ करीब डेढ़ किमी का रोड शो किया था। गौरतलब है कि कालकाजी विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी और कांग्रेस ने पार्टी की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष अलका लांबा को मैदान में उतारा है। दिल्ली में पांच फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा जबकि मतगणना आठ फरवरी को होगी।प्रवेश वर्मा का उल्लंघन चुनाव आयोग को नहीं दिखताअपने खिलाफ एमसीसी उल्लंघन की शिकायत पर दिल्ली की सीएम और आप नेता आतिशी ने कहा, ष्पूरे देश ने देखा कि कैसे प्रवेश वर्मा 1100 रुपये बांट रहे थे। बाद में प्रवेश वर्मा ने खुद ट्वीट किया।

केजरीवाल का आरोप

भाजपा और कांग्रेस के बीच जुगलबंदी

● मैं राहुल गांधी पर बोलता हूं, तो भाजपा उसका जवाब देती हैः केजरीवाल

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आप प्रमुख ने कहा कि शायद दिल्ली का ये चुनाव कांग्रेस और बीजेपी के बीच सालों से पर्दे के पीछे चल रही जुगलबंदी पर से पर्दा हटा देगा। जबकि गांधी ने अभी तक केजरीवाल को जवाब नहीं दिया है, भाजपा के अमित मालवीय ने तुरंत दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री पर कटाक्ष किया। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को अपने सहयोगी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि आगामी दिल्ली चुनाव कांग्रेस और भाजपा के बीच वर्षों से चल रही जुगलबंदी को उजागर कर देगा। केजरीवाल की यह प्रतिक्रिया भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय द्वारा कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की आलोचना करने वाली उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देने के बाद आई है। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि क्या बात है३ मैंने राहुल गांधी जी पर एक ही लाइन बोली और जवाब बीजेपी वालों से आ रहा है। बीजेपी को देखिए कितनी तकलीफ हो रही है। आप प्रमुख ने कहा कि शायद दिल्ली का ये चुनाव कांग्रेस और बीजेपी के बीच सालों से पर्दे के पीछे चल रही जुगलबंदी पर से पर्दा हटा देगा। जबकि गांधी ने अभी तक केजरीवाल को जवाब नहीं दिया है, भाजपा के अमित मालवीय ने तुरंत दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री पर कटाक्ष किया। मालवीय ने ट्वीट किया, ष्देश की चिंता बाद में करना। पहले नई दिल्ली सीट बचाएं।ष केजरीवाल, जो नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं, इस हाई–प्रोफाइल सीट पर लगातार चौथी जीत की उम्मीद कर रहे हैं। उनका मुकाबला दो पूर्व मुख्यमंत्रियों – भाजपा के प्रवेश वर्मा और कांग्रेस के संदीप दीक्षित के बेटों से होगा।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार का आगाज करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा प्रहार किया और दावा किया कि आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक भी प्रधानमंत्री की तरह ही प्रचार–प्रसार तथा झूठे वादे करने की रणनीति पर अमल करते हैं। उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली जनसभा में यह वादा भी किया कि राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस की सरकार बनने पर जाति जनगणना करवाई जाएगी।

नारायणन ने इसरो के नए अध्यक्ष का पदभार संभाला

चेन्नई,(एजेंसी)। प्रतिष्ठित वैज्ञानिक (एपेक्स ग्रेड) डॉ. वी नारायणन ने मंगलवार को अंतरिक्ष विभाग के सचिव, अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण

किया। इसरो ने 'एक्स' पर लिखा कि यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन है। इसरो में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, डॉ. नारायणन का नेतृत्व भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों का मार्गदर्शन करने के लिए तैयार है। वे डॉ. सोमनाथ का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल सार्थक और सफल रहा। इससे पहले, अंतरिक्ष एजेंसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इससे पहले डॉ. नारायणन ने तरल प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी) के निदेशक के रूप में कार्य किया था, जो इसरो के प्रमुख केंद्रों में से एक है। इसका मुख्यालय तिरुवनंतपुरम के वलियामाला में है।कौन हैं डॉ. वी. नारायणन? डॉ. वी. नारायणन देश के जाने–माने वैज्ञानिक और रॉकेट प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ हैं। वर्तमान में वह इसरो के लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (एलपीएससी) के निदेशक हैं।

पीओके के बिना जम्मू कश्मीर अधूरा

● राजनाथ सिंह बोले- अवैध घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा पाकिस्तान

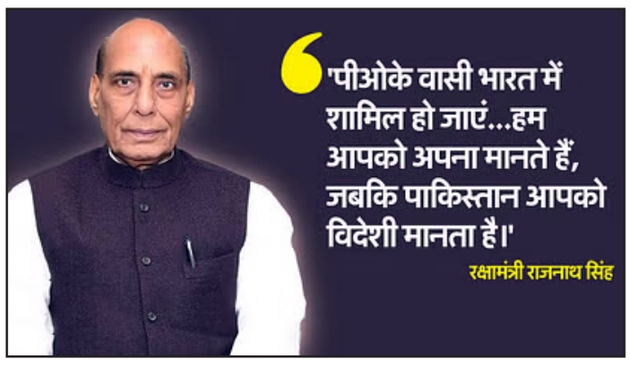

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान 1965 से अवैध घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। हमारे मुस्लिम भाइयों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक की भारत पर की गई टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा और कहा कि पीओके के बिना जम्मू कश्मीर अधूरा है। पाकिस्तान जम्मू कश्मीर को अस्थिर करने के लिए हर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच 1965 में अखनूर में युद्ध हुआ था। भारत पाकिस्तानी सेना की कोशिशों को नाकाम करने में कामयाब रहा था। इतिहास में हुए सभी युद्धों में भारत ने हमेशा पाकिस्तान को हराया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान 1965 से अवैध घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। हमारे मुस्लिम भाइयों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया है। आज भी भारत में प्रवेश करने वाले 80: से अधिक आतंकवादी पाकिस्तान से होते हैं। उन्होंने कहा कि सीमा पार आतंकवाद 1965 में ही समाप्त हो गया होता, लेकिन तत्कालीन केंद्र सरकार युद्ध में प्राप्त सामरिक लाभ को रणनीतिक लाभ में बदलने में असमर्थ रही। राजनाथ सिंह ने कहा कि कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों में दिलों के बीच बची–खुची दूरियां भी खत्म होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को इस दिशा में उठाए जा रहे कदमों के लिए बधाई देना चाहता हूं। सत्ता में आने के बाद हमने अपने प्रयासों को जमीनी स्तर पर ला दिया है। कश्मीर हमें प्रिय है और इस पर ज्यादा स्पष्टीकरण की जरूरत नहीं है। राजनाथ ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच जो भी अंतर है उसे पाटना है। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अखनूर में वेटेरन्स डे समारोह मनाया जाना इस बात को साबित करता है कि हमारे दिल में जो स्थान दिल्ली का है, वही स्थान अखनूर, कश्मीर का है।राजनाथ ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच जो भी अंतर है उसे पाटना है। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं।

मोदी का अब भी इंतजार कर रहा है मणिपुरः खरगे

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि मणिपुर करीब डेढ़ साल से संकट में है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वहां जाकर लोगों सें नहीं मिले, हालांकि मणिपुर के लोग आज भी श्री मोदी का इंतजार कर रहे हैं। श्री खरगे ने मणिपुर से एक साल पहले आज ही के दिन शुरू हुई कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा कि वहां के लोगों के जख्म पर मलहम लगाने की कोशिश करते हुए श्री गांधी ने एक साल पहले मणिपुर से ही अपनी यात्रा की शुरुआत की थी, लेकिन वहां के लोग आज भी संकट में हैं और समाधान के लिए श्री मोदी का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "आज से ठीक एक साल पहले कांग्रेस ने मणिपुर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरु की थी। कन्याकुमारी से कश्मीर तक हुई ऐतिहासिक भारत जोड़ो यात्रा का अनुसरण करते हुए भारत जोड़ो नया यात्रा की शुरुआत मणिपुर से हुई तथा 15 राज्यों से गुजरी थी और 6,600 किलोमीटर की दूरी को कवर किया था। इसका समापन 16 मार्च 2024 को मुंबई में हुआ।" उन्होंने कहा, "मणिपुर को अब भी प्रधानमंत्री की यात्रा का इंतजार है, जिनके पास दुनिया भर में घूमने के लिए तो समय और इच्छाशक्ति है लेकिन वह मणिपुर के संकटग्रस्त लोगों के पास जाना जरूरी नहीं समझ रहे हैं। वह लगातार अपनी पार्टी के विधायकों और खुद मुख्यमंत्री समेत मणिपुर के राजनेताओं से मिलने से इंकार करते रहे हैं। मणिपुर के लोग तीन मई, 2023 से लगातार दुख, दर्द और पीड़ा में है। अभी कुछ दिन पहले शिक्षा, बाल, महिला, युवा, और खेल संबंधित स्थायी संसदीय समिति को राज्य की स्थिति समझने के लिए वहां के अपने प्रस्तावित दौरे को स्थगित करने के लिए कहा गया।"

शाह पद की गरिमा कायम रखें: पवार

● गृह मंत्री ने कहा था- पवार की विश्वासघात की राजनीति भाजपा ने 20 फीट जमीन में दफना दी

मुम्बई,(एजेंसी)। शाह ने कहा था कि महाराष्ट्र में भाजपा की जीत ने 1978 में शरद पवार द्वारा शुरू की गई अस्थिरता और पीठ में छुरा घोंपने की राजनीति को समाप्त कर दिया। आपने ऐसी राजनीति को जमीन में 20 फुट नीचे दफना दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उस टिप्पणी को खारिज कर दिया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत ने 1978 में पवार द्वारा शुरू की गई विश्वासघात की राजनीति को समाप्त कर दिया। अमित शाह के बयान पर पलटवार करते हुए एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री से श्गृह मंत्री पद की गरिमाश बनाए रखने की बात कही। अमित शाह ने रविवार को मंदिर शहर शिरडी में राज्य भाजपा सम्मेलन में अपने भाषण के दौरान पवार की आलोचना की थी। शाह ने कहा था कि महाराष्ट्र में भाजपा की जीत ने 1978 में शरद पवार द्वारा शुरू की गई अस्थिरता और पीठ में छुरा घोंपने की राजनीति को समाप्त कर दिया। आपने ऐसी राजनीति को जमीन में 20 फुट नीचे दफना दिया है। वहीं, पवार ने कहा कि मैं 1978 में मुख्यमंत्री था। मुझे नहीं पता कि तब वह कहां थे। पवार ने कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री था, तब मेरे मंत्रालय में जनसंघ से उत्तमराव पाटिल जैसे लोग थे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) (राकांपा–एसपी) प्रमुख ने वर्तमान में नेताओं के बीच संवाद की कमी पर दुख जताते हुए कहा कि गृह मंत्री के पद की मर्यादा बरकरार रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले नेताओं के बीच सुसंवाद हुआ करता था, लेकिन अब वह गायब है। पवार ने याद दिलाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने विपक्ष में होने के बावजूद भुज भूकंप के बाद उन्हें आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाया था। पवार ने कहा कि इस देश ने कई बेहतरीन गृह मंत्री देखे हैं, लेकिन उनमें से किसी को भी उनके राज्य से बाहर नहीं निकाला गया। उनका इशारा सोहराबुद्दीन शेख फर्जी मुठभेड़ मामले में 2010 में शाह को दो साल के लिए गुजरात से बाहर निकाले जाने की ओर था। 2014 में उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया गया था।

पवार ने कहा कि जब वह (शाह) गुजरात में नहीं रह सके (बाहर निकाले जाने के बाद), तो वह मदद के लिए बालासाहेब ठाकरे के पास गए।

पत्नी ही प्रकृति है

पुरुष और प्रकृति मिलकर सृष्टि का संचालन करते हैं। प्रलयकाल में सृष्टि जलमग्न थी। चारों ओर अंधकार था। विष्णु क्षीरसागर में निद्रामग्न थे। जल के राजा वरुण का साम्राज्य था। वरुण ही दैत्यों का अधिपति है, वरुण ही एक आदित्य भी है। विष्णु सोम के अधिष्ठाता हैं। उनकी नाभिध्केन्द्र में ब्रह्मा रूप अग्नि प्रतिष्ठित है। विष्णु के चरणों की ओर लक्ष्मीध्पृथ्वी दिखाई पड़ती है। लक्ष्मी ही सृष्टि की सर्वप्रथम देवी अवतार बनती है। वही गुणातीत दुर्गा कहलाती है। पृथ्वी का ही दूसरा नाम विष्णु पाद है। विष्णु ही पृथ्वी को धारण करते हैं। पृथ्वी का निर्माण भी जल से ही होता है। महालक्ष्मी त्रिगुण रूप में जगत का आदि कारण हैं। वही दृश्य और अदृश्य रूप से सम्पूर्ण विश्व को व्याप्त किए हुए है। सृष्टि चूंकि यहां से ही शुरू होती है, अतरू विष्णु ही सृष्टि के बीज हैं और लक्ष्मी को ही विष्णु माया के नाम से जाना जाता है। दोनों ही सृष्टि के जनक, पालक और पोषक कहे जाते हैं।

विष्णु का प्रथम अवतार परात्पर है। ब्रह्म है, माया है। यही तो अर्द्धनारीश्वर है। आधा भाग ब्रह्म, आधा माया। ब्रह्म बीज भाव और माया कामना रूप सृष्टि करती है। मैं ही मेरी कामना। मैं ही मेरी सृष्टि। ऋताग्नि में ऋत सोम की आहुति से ऋतुएं बनीं। संवत्सर प्रजापति बना। सत्याग्नि बना। सोम सदा ऋत होता है। अतरू सत्य को केन्द्र में रखकर परिधि रूप– अव्यय पुरुष बन जाता है।

प्रकृति पूजा मूल में हृदय–देवता की पूजा है। हृदय स्थित ब्रह्मा ही ब्रह्म का प्रतिरूप है। अव्यय की प्रतिष्ठा है। स्थूल सृष्टि के साथ अव्यय का सूत्र प्रकृति बनाती है। हृदय परा प्रकृति है। सूर्य के नीचे अपरा प्रकृति है। तीनों लोक ही विष्णु–महालक्ष्मी का क्षेत्र हैं। परमेष्ठी में भृगु–अंगिरा–अत्रि प्राण उत्पन्न करती है महालक्ष्मी। ये ही क्रमशरू परा प्रकृति के महालक्ष्मी–महासरस्वती–महाकाली रूप आग्नेय प्राण (वेदत्रयी) हैं। इसी प्रकार पार्थिव चन्द्रमा से अपरा सत्व–रज–तम रूप प्रकृति उत्पन्न होकर आत्मा से जुड़ती है। विष्णु–महालक्ष्मी अथर्व रूप अर्थ सृष्टि (सोमरूप) के संचालक बनते हैं। रोदसी, क्रन्दसी और संयति तीनों त्रिलोकियों की अपनी–अपनी प्रकृतियां हैं। आगे प्रत्येक प्राणी की अपनी प्रकृति होती है। वैसा ही सोम हृदय ग्रहण करता है। सृष्टि वैसा ही स्वरूप ग्रहण करती है।

जीवन में काल और परिस्थितियां बदलती रहती हैं। स्वरूप भी उसी अनुरूप बदल जाते हैं। चूंकि पत्नी के प्राण पति के हृदय में ही रहते हैं जो उसकी भावना के साथ प्रभाव छोड़ते रहते हैं। पुरुष और प्रकृति एक ही देह में जीवन संचालन करते हैं। पुरुष के पास कामना है, प्रकृति कर्म करती है। अव्यय पुरुष के पास माया (महालक्ष्मी रूप) तथा अक्षर पुरुष के साथ हृदय में तीनों देवियां प्रतिष्ठित हैं। अपने–अपने पति की अर्द्धांगिनी रूप में कार्य करती हैं। आत्मा के निर्माण के साथ ही चन्द्रमा के प्रतिबिम्ब रूप प्रकृति साथ हो जाती है। ब्रह्मा–विष्णु–महेश ही हृदय रूप में प्रतिष्ठित रहते हैं।श्रीमद्भगवद् गीता और दुर्गा सप्तशती में अपरा प्रकृति और प्रधान मूल प्रकृति का विस्तृत वर्णन है। अपरा प्रकृति का वर्णन करते हुए कृष्ण कहते हैं किकृ

कृष्ण ने अपनी अष्टधा प्रकृति का वर्णन किया है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश ये पाँच महाभूत तथा मन, बुद्धि, अहंकार ये ही आठ प्रकार से विभक्त कृष्ण की अपरा प्रकृति हैं। दुर्गा सप्तशती में अपरा प्रकृति का वर्णन है कि यह अपरा प्रकृति अव्यक्त दुस्तर वैष्णवी माया है। प्रकृति योनि स्वरूपा है। त्रिगुणात्मिका है। सत्त्व, रज व तम ये प्रकृति के तीन गुण हैं, दशानना, दशभुजा, दशपादा, भगवती महाकाली ही भगवान् विष्णु की योगनिद्रा है। ये सम्पूर्ण चराचर जगत् को अपने उपासक के अधीन कर देती है। ये त्रिगुणात्मिका प्रकृति सभी भूतप्राणियों में विष्णुमाया के रूप में निवास करती हैं। अपरा प्रकृति की दो शक्तियां हैरू (१) आवरण शक्ति, (२) विक्षेप शक्ति। अपरा प्रकृति परिवर्तनशील है, सगुण है। श्रीकृष्ण अपनी परा प्रकृति का वर्णन करते हुए कहते हैं–अपरा प्रकृति से परे मेरी एक अन्य परा शक्ति है जो जीवों से युक्त है और परा प्रकृति सम्पूर्ण संसार का मूल है।

अपरेयमितस्त्वन्यां प्रकृतिं विद्धि मे पराम्।
जीवभूतां महाबाहो ययेदं धार्यते जगत्।। (गीता 7.5)

दुर्गा सप्तशती के प्राधानिक रहस्य में पराशक्ति प्रधान प्रकृति के स्वरूप का प्रतिपादन किया गया है। मूल प्रकृति ही देवी की समस्त विकृतियों (अवतारों) की प्रधान प्रकृति है। मूल प्रकृति ही सब प्रपंच तथा सम्पूर्ण अवतारों का आदि कारण है। तीनों गुणों की साम्यावस्थारूपा अपरा प्रकृति भी उनसे अलग नहीं है। स्थूल–सूक्ष्म दृश्य–अदृश्य, व्यक्त–अव्यक्त सब मूल परा प्रकृति के स्वरूप हैं। परा शक्ति सर्वत्र व्यापक है। अस्ति, भाति, प्रिय, नाम और रूप३ सब परा प्रकृति ही है।

यह व्यवस्था शास्त्रों ने सृष्टि निर्माण–संहार की दी है। यही स्वरूप जीवन का भी है। "यथाण्डे तथा ब्रह्माण्डे'' कहा गया है। पुरुष का विवाह होता है तब कहा जाता है कि लक्ष्मी आई है। वही समय और परिस्थिति के अनुसार (देशकाल) तीनों रूपों में जीवन संचालित करती है। कन्या का जन्म ही लक्ष्मी का आगमन कहा जाता है। पुनरू जो लक्ष्मी बनकर पत्नी रूप में आ रही है, वही जीवनभर प्रकृतिरूप में व्यक्ति की रक्षा करती है। पति की शक्ति–अर्द्धांगिनी बनकर। समय के साथ तीनों रूप धारण करने की क्षमता रखती है। गीता प्रमाण हैकृ

एतद्योनीनि भूतानि सर्वाणीत्युपधारय।
अहं कृत्स्नस्य जगतरू प्रभवरू प्रलयस्तथा।। (7.6)

सम्पूर्ण भूत दोनों प्रकृतियों से ही उत्पन्न होने वाले हैं। मैं जगत का प्रभव–प्रलय हूं। अर्थात् वे दोनों मेरा ही अन्न हैं। विवाह तो होता ही इसलिए है कि वह पूर्ण रूप से मेरे (वर की) आत्मा में अन्न रूप से आहुत हो जाए। दोनों एकाकार हो जाएं। दोनों में ही अन्न–अन्नाद भाव बना रहता है। किन्तु स्त्री का परोक्ष भाव उसे दैविक स्वरूप प्रदान करता हैकृ परोक्ष प्रिया इव हि देवा। पुरुष बाहर अधिक जीता है, स्त्री भीतर। सृष्टि में स्त्री–पुरुष भी दो नहीं हैं। हम भी दो नहीं हैं। चेतना भी दो नहीं है। एक की भूमिका में दूसरा सहयोगी होता है।

चेतना ही उत्तर है। चेतना सदा जाग्रत रहे, यही दिव्यता का मूल स्वरूप है। प्रकृति में जड़ कुछ नहीं है, पत्थर भी नहीं है। वह भी समय के साथ बढ़ता है, क्षरित होता है। हां, उसकी चेतना लाखों सालों से दबी हो सकती है। चेतना ही व्यक्ति की शक्ति है। चेतना कामना रूप में कार्य करती है। सूक्ष्म होने से पकड़ में नहीं आती, ध्यान करना पड़ता है। वही हमारे ब्रह्म स्वरूप की प्रकाशक है।

मारे गए अधिकांश लोग रूसी बुद्धिजीवी ही थे

शंकर शरण

स्तालिन द्वारा देहातों पर इस उत्पीडन में कुल मिलाकर एक करोड़ से अधिक जानें गईं! यह सब यूरोपीय बुद्धिजीवियों को बिलकुल पता न था। वे केवल 1930 के दशक में रूस में दिखावटी मुकदमों के द्वारा मारे गये नेताओं, लेखकों, आदि श्द ग्रेट पर्ज्य वाली कुख्यात बातें ही जानते थे। क्योंकि उन में मारे गए अधिकांश लोग रूसी बुद्धिजीवी ही थे।(यह लेख प्रोफेसर गैरी साउल मॉरसन द्वारा जून 2024 में लिखी गई समीक्षा श्द मास्टरपीस ऑफ अवर टाइम्य पर आधारित है।)

आज से पचास वर्ष पहले, रूसी लेखक अलेक्सांद्र सोल्झेनित्सिन का महान ग्रंथ श्गुलाग आर्किपेलाग 1918 दृ 1956रू साहित्यिक पड़ताल का एक प्रयोगय का अंग्रेजी अनुवाद छपना एक सनसनीखेज घटना थी। गु. लाग. यानी सोवियत रूस में श्सुधार श्रम शिविरों का मुख्य निदेशालयय के नाम का संक्षिप्त नाम रूप। आर्किपेलाग यानी पूरे सोवियत संघ में बिखरे, मगर छिपे द्वीपों जैसे उन श्रम–यातना शिविरों का एक पूरा जाल। श्गुलाग आर्किपेलागय उन्हीं शिविरों की सच्चाई का एक विराट विवरण था।

उस ग्रंथ ने सोवियत समाजवाद की छवि को मानो एक विस्फोट से ध्वस्त कर दिया। बल्कि एक ऐसी लोमहर्षक सच्चाई दिखाई कि सारी दुनिया में लोग सिहर उठे! उस के बाद किसी वामपंथी बुद्धिजीवी के लिए भी समाजवाद और सोवियत संघ के प्रति पहले जैसा भावुक लगाव रखना संभव न रहा। फ्रांस में संपूर्ण विमर्श की धारा बदल गई, जहाँ समाजवाद सब से अधिक प्रभावी बौद्धिकता थी। अमेरिका में भी वियतनाम युद्ध की छाया में माओ, हो ची मिन्ह, फिडेल कास्त्रो, आदि के प्रति बढ़ता नव–वामपंथी ज्वार एकाएक थम गया।

श्गुलाग आर्किपेलागय की गवाही इतनी विस्तृत, प्रमाणिक और सशक्त थी। तीन खंडों, सात भागों, बयालीस अध्यायों, और लगभग दो हजार पृष्ठों में लिखा यह ग्रंथ सोवियत कम्युनिज्म के अड़तीस वर्षों, 1918 से 1956 का हृदयविदारक चित्र है। इस महागाथा को सोल्झेनित्सिन ने एक–एक शब्द और चिन्ह तक मानो नाप–तौल कर लिखा है। वस्तुतरू गत शताब्दी बीतने पर श्टाइम्य मैगजीन ने उसे पूरे विश्व में बीसवीं शताब्दी की सब से महत्वपूर्ण साहित्येतर (नॉन–फिक्शन) पुस्तक माना था।

तब उसे श्साहित्यिकय कहने से सोल्झेनित्सिन का क्या आशय था? इस के उत्तर में उस की क्लासिक महानता का रहस्य छिपा है। साथ ही, उस ग्रंथ को पढ़े बिना सोवियत कम्युनिज्म की पूरी सच्चाई नहीं समझी जा सकती। उस के प्रकाशन से पहले भी यूरोपीय बुद्धिजीवियों को सोवियत संघ में दमन, उत्पीडन की जानकारी थी। पर वे उसे दशकों पहले की बात, स्तालिन युग की बीती चीज समझते थे। इस ग्रंथ के आने पर वे जानकर स्तब्ध रह गये कि विकट गोपनीयता से ही उसे लिखा जा सका, जिसे टुकड़े–टुकड़े अलग–अलग व्यक्तियों, स्थानों पर छिपा कर रखा जाता था ताकि सोवियत पुलिस के छापे में पूरी पांडुलिपि न चली जाए।

उसे किसी तरह तस्करी से बाहर भेज कर, विदेश में ही छपाया जा सका दृ यह पश्चिमी बुद्धिजीवियों के लिए हैरत की बात थी। बल्कि लेखक भी कभी उस की पूरी पांडुलिपि इकत्रा सामने रखकर पूर्ण परिष्कृत रूप नहीं दे सका, जिस के लिए उस ने पाठकों से क्षमा भी माँगी थी। सोल्झेनित्सिन के शब्दों में, उस में जहाँ–तहाँ आकस्मिक शुरुआत, अध्रापन, हमारे साहित्य के उत्पीडन के ही चिन्ह हैं। पर अंततरू उस कमी ने भी उस पुस्तक के सौंदर्य में वृद्धि ही की। उस का संप्रेषण मौलिक बना दिया।

उस से पहले, 1965 ई. में सोल्झेनित्सिन की एक अन्य पांडुलिपि तथा बहुत से अभिलेख एक छापे में जा चुके थे। इसलिए श्गुलागय की पांडुलिपि पर सोल्झेनित्सिन ने अत्यधिक सावधानी रखी थी। इसलिए और भी, क्योंकि उस में असंख्य लोगों के असली नाम और स्थान दर्ज थे जिन्होंने अपनी बीती और? देखी सोल्झेनित्सिन को बताई थी। तब रूस में साहित्य का दमन ही नहीं था, लिखना मात्र एक खतरनाक गतिविधि थी। न केवल लेखकों के लिए, बल्कि किसी के लिए भी। किसी को लिखी गई चिट्ठी, उस में कोई संदिग्ध मुहावरा, मामूली शिकायत भी किसी को दस–बीस साल के लिए यातना शिविर में भेज दिए जाने का आधार बन सकता था।

यह सब पश्चिमी बुद्धिजीवियों के लिए अविश्वसनीय बात थी। वे समझते थे कि जैसे जारशाही रूस में किसी लेखक को दंड मिलता था, साइबेरिया भेज दिया जाता था, आदि, वैसा ही कुछ होता होगा। उन के लिए स्थाई उत्पीडन का अधिकतम मॉडल जारशाही था। इसीलिए, अपनी पुस्तक में सोल्झेनित्सिन ने जारशाही की जेलों, कानूनों और सोवियत संघ के सामान्य जनजीवन, कानूनों की तुलना को भी काफी स्थान दिया है। जिसे पढने के बाद जार को उत्पीड़क कहने पर हँसी आ जाती है।

संख्या को ही लीजिएरू सन् 1876 से 1904 तक रूस में आम हड़ताल, किसान विद्रोह, और आतंकवाद का दौर था, जिस में जार अलेक्सांद्र द्वितीय और अन्य उच्चाधिकारियों की हत्या भी हुई थी। तब इस दौरान कुल 486 लोगों को फाँसी दी गई। यानी पूरे रूस में प्रति वर्ष सत्रह लोग फाँसी पर चढ़ाए गये थे। जिन में सामान्य, गैर–राजनीतिक अपराधी भी शामिल थे। सन् 1905 के विद्रोह में यह पराकाष्ठा पर पहुँचा, जिस पर लेव टॉल्स्टॉय और कोरोलेन्को जैसे महान रूसी लेखकों ने आँसू बहाए और शासन को कोसा था। सो, 1905 से 1908 के बीच 2200लोगों को फाँसी दी गई। जिसे उस समय के लोगों ने फाँसी की महामारी जैसी माना था। उस की तुलना में, सोवियत न्यायिक हत्याओं दृ चाहे गोली मार कर, जबरन भुखमरी थोप कर, या शून्य से नीचे तापमान पर कठोर काम करवाने के परिणामस्वरूप दृ शासन के हाथों ऐसी हत्याओं के आँकड़े करोड़ों में जाते हैं।

इन हत्याओं में सब से भयावह बात यह थी कि उन दंडित मृतकों में किसी का स्वयं कोई भूल या अपराध करना भी जरूरी न था। सन् 1918 में ही, यानी कम्युनिस्ट शासन के पहले ही वर्ष में चेका (खुफिया पुलिस) के नेता मार्तिन इवानोविच लात्सिस ने क्रांतिकारी अदालतों को सरसरी फैसले देने का निर्देश दिया था, जिस में हर अभियुक्त पर अलग–अलग सुनवाई कर दोषी या निर्दोष देखने की कोई जरूरत नहीं थी। केवल उस का वर्ग देखना काफी था, अर्थात यदि कोई पकड़ा गया व्यक्ति कुलक (भूस्वामी) या व्यापारी वर्ग का है तो उसे अपराधी मानने के लिए यही पर्याप्त है।

लात्सिस ने गर्व से बताया था, यही लाल आतंक का अर्थ है। इस आधार पर, पचास लाख से अधिक लोगों को बिना रसद या औजार के बंजर, शून्य से बहुत नीचे तापमान वाले बर्फीले इलाकों में अपनी मौत मरने भेज दिया गया। । यह सब कोई मार्क्स–लेनिन के सिद्धांतों से विचलन भी नहीं था। नई कम्युनिस्ट सत्ता के प्रमुख लेनिन ने ही कहा था, किसी वयापारी को उदाहरण के लिए फाँसी देकर लटका दो क्योंकि व्यापारी और बदमाश एक ही चीज है।

सो, स्तालिन और दूसरे लेनिनपंथी बोल्शेविकों ने इसी सिद्धांत को पूरे विस्तार से लागू किया था। कुलकों के बाद यही दंड कई समुदायों को भी मिला, केवल इसलिए क्योंकि वे रूसी होते हुए भी जर्मन, क्रीमीयाई तातार, पोलिश, कोरियाई, यहूदी, आदि मूल से आते थे। उन्हें थोक में उजाड़ कर दूर भेज दिया गया था। इस नाम पर कि वे? कभी विदेशियों से सहायता लेकर गड़बड़ी कर सकते हैं। इसी तरह, श्कुलकों के सफाएय के बाद मामूली किसानों को भी जबरन अकाल में डाला गया। उक्रेन जैसे अनाज उत्पादक इलाकों में सारा अनाज सरकार ने जबरन ले लिया, नदियों में मछली मारने पर भी पाबंदी लगाई गयी।जिस से अगले कुछ महीनों में स्थानीय आबादी का खासा हिस्सा भूख से मर गया। शहरों से आए आदर्शवादी बोल्शेविक युवकों ने आकर देहातों में इस जबरिया अकाल को लागू किया। वे समझते थे कि नये वर्गहीन समाज के निर्माण के लिए कई वर्गों का खात्मा करना ठीक है। स्तालिन द्वारा देहातों पर इस उत्पीडन में कुल मिलाकर एक करोड़ से अधिक जानें गईं! यह सब यूरोपीय बुद्धिजीवियों को बिलकुल पता न था। वे केवल 1930 के दशक में रूस में दिखावटी मुकदमों के द्वारा मारे गये नेताओं, लेखकों, आदि श्द ग्रेट पर्ज्य वाली कुख्यात बातें ही जानते थे। क्योंकि उन में मारे गए अधिकांश लोग रूसी बुद्धिजीवी ही थे।

फर्जी प्रमाणपत्र दिखाकर मलाई का खेल खूब

डॉ. आर.के. सिन्हा

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने 21 अप्रैल, 1947 को राजधानी के मेटकॉफ हाउस में आजाद होने जा रहे भारत के पहले बैच के आईसीएस जो 1948 से आईपीएस कहलाएय ऐसे सभी अफसरों को संबोधित करते हुए कहा था कि श्उन्हें स्वतंत्र भारत में जनता के सवालों को लेकर गंभीरता और सहानुभूति का भाव रखना होगा।

उन्हें अपने दायित्वों का निर्वाह ईमानदारी से करना होगा।य सरदार पटेल ने उन्हें स्वराज और सुराज का अंतर भी समझाया था। जाहरि है, उनका ईमानदारी से आशय यही रहा होगा कि वे अपने जीवन के हर क्षेत्र में शुचिता और तटस्थता का पालन करेंगे। पर हाल में आईएएस प्रोबेशनर, पूजा खेडकर मामले को गहराई से देखने से समझ आ रहा है कि कुछ शातिर तत्व आईएएस या अन्य सरकारी नौकरियों को पाने के लिए फर्जी प्रमाणपत्र भी सौंपते हैं। उनके लिए ईमानदारी का कोई मतलब नहीं है। उन्हें सरदार पटले की सीख से भी कोई लेना–देना नहीं।

पूजा खेडकर मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षण ले रही थीं। उन्हें महाराष्ट्र–उनके अपने राज्य कैडर–में जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था। उन्हें एहसास नहीं था कि आईएएस अफसर बनने का मतलब जन सेवा होता है। इसके बजाय, उसने इस पद को हासिल करने के बाद अपनी झूठी शान दिखानी शुरू कर दी। उसने कार, सुसज्जित कार्यालय और कर्मचारियों जैसी कई सुविधाओं की मांग की। चूंकि प्रोबेशनर्स इन लाभ के हकदार नहीं होते हैं, इसलिए उन्हें कोई भी लाभ नहीं दिया गया। इसलिए, उसने अपनी दैनिक जरूरतों के लिए एक लग्जरी कार शकिराए पर्य ली।

इससे भी बुरा यह है कि उन्होंने कार की छत पर नीली बीकन लाइट भी लगाई। पूजा का चयन दो विशेष श्रेणियों के तहत किया गया था। एक, वह ओबीसी के गैर–क्रीमी वर्ग से संबंधित हैं। यह स्वयं ही संदिग्ध है, यह देखते हुए कि उनके पिता एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी थे। फिर वह गैर–क्रीमी लेयर में कैसे चुनी गई? उनके परिवार के पास पर्याप्त जमीन है जो निश्चित रूप से उन्हें एक अलग आर्थिक श्रेणी में रखेगी। पूजा ने यह भी दावा किया था कि उसकी एक अलग तरह की शारीरिक स्थिति है, जो उसे विकलांग कोटे के तहत आरक्षित सीट के लिए हकदार बनाती है। यूपीएससी और कार्मिक विभाग द्वारा विकलांगता के संबंध में कुछ तय दिशा–निर्देशों का पालन करते है।

एक व्यक्ति जिसे एक आंख में दृष्टि नहीं होती है, उसे शविकलांगय नहीं माना जाता है, यदि दूसरी आंख हर तरह से ठीक है। मैंने इसके बारे में तब जाना जब मेरे एक मित्र के पुत्र ने सिविल सेवा परीक्षा दी।। बचपन में, उसके एक भाई ने उसकी दाहिनी आंख में कंपास (नुकीली चीज) डाल दी थी, जिससे वह आंशिक रूप से अंधा हो गया था। वह विकलांग कोटे के तहत आरक्षण के लिए योग्य नहीं होता, अगर उसकी दूसरी आंख सही होती। उसकी श्सामान्यय आंख में आंशिक अंधापन था। कुल मिलाकर अगर पूजा ने नखरे नहीं दिखाए होते, तो वह सेवा में बनी रहती। इससे कांड के बाद यूपीएससी की कार्यप्रणाली भी अच्छी रोशनी में नहीं दिखता है।

इस बीच, तेलंगाना में एक आईएएस अधिकारी के बारे में भी रिपोर्ट आई हैं, जो कुछ विकलांगताओं के आधार पर सेवा में शामिल हुए। उदाहरण के लिए, उन्हें कथित तौर पर पोलियो का हमला हुआ है, लेकिन घोड़े की सवारी और साइकिल चलाते हुए उनके वीडियो यह तो नहीं बताते कि वे कभी पोलियो के शिकार थे। इससे यह सवाल उठता है कि क्या सिविल सेवाओं में विकलांग श्रेणियों के तहत रिक्तियों को भरने में मानदंडों का सख्ती से पालन किया जाता है। लगता तो यही है कि इस मामले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है और पिछले दस–पंद्रह साल में विकलांगता के आधार पर चुने गए ऐसे सभी मामलों को जांच के दायरे में लाने की आवश्यकता है।

आईएएस, जिसे अक्सर श्भारत के इस्पात फ्रेमय के रूप में जाना जाता है, यह उपाधि सरदार वल्लभभाई पटेल, श्भारत के लौह पुरुषय से प्राप्त करता है। उन्होंने नव स्वतंत्र भारत की एकता और स्थिरता बनाए रखने में सिविल सेवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर जोर देने के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया था। आईएएस राष्ट्र के प्रभावी शासन के लिए आवश्यक, सबसे प्रतिष्ठित सेवाओं में से एक है। यदि देश की जनता के दिल में आईएएस पदाधिकारियों के प्रति स्वाभाविक रूप से सम्मान और आदर का भाव नहीं रह जाएगा, तो कोई भी आईएएस प्रशासन कर ही नहीं पाएगा।

आईएएस अधिकारियों से अपनी भूमिकाओं में निष्पक्षता और अखंडता का प्रदर्शन करने की अपेक्षा की जाती है। उनके फैसले लाखों लोगों के जीवन और देश की समग्र स्थिरता को प्रभावित करते हैं। निष्पक्षता बनाए रखकर और कानून के शासन का पालन करके, आईएएस अधिकारी यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि सरकार की नीतियां और कार्यक्रम निष्पक्ष रूप से और प्रभावी ढंग से लागू किए जा रहे हैं। भर्ती प्रक्रिया से समझौता पक्षपात ला सकता है और कानून के शासन को कमजोर कर सकता है, जिससे अस्थिरता और जनता का विश्वास कम हो सकता है। पूजा खेड़कर का मामला इस बात की गवाही है कि हमारे देश में फर्जी प्रमाणपत्र दिखाकर मलाई खाने का खेल खूब चल रहा है, जिसे बंद किए जाने की आवश्यकता है।

वादों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करें: डीएम

राजस्व प्रशासन एवं कर–करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में राजस्व प्रशासन एवं कर–करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने खनन, आबकारी, परिवहन विभाग, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, विद्युत, मण्डी, वन विभाग, वाणिज्य कर सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा

➤ राजस्व वसूली के कार्य में किसी भी तरह की शिथिलता क्षम्य नही होगी–जिलाधिकारी

की गयी। समीक्षा के दौरान पाया गया कि वाणिज्य कर, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन व खनन विभाग के लक्ष्य की प्रगति धीमी पायी जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये निर्देशित किया प्रगति को बढ़ाये। बैठक के दौरान वन विभाग की प्रगति लक्ष्य के सापेक्ष ठीक नही मिली और बैठक में डीएफओ अनुपस्थित पाये गये जिस पर जिलाधिकारी ने डीएफओ से स्पष्टीकरण प्राप्त करने हेतु एडीएम को निर्देशित किया। उन्होने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व वसूली के कार्य में किसी भी तरह की शिथिलता क्षम्य नही होगी, सभी जिम्मेदार अधिकारी शासन की ओर से निर्धारित लक्ष्यों को तय समय सीमा में प्राप्त करें। बैठक में वन विभाग के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि पेड़ कटने की शिकायते प्राप्त हो रही है इसको गहनता से दिखवाया जाये, यदि पेड़ काटने की शिकायत मिले तो कार्यवाही की जाये। विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ओटीएस योजना का प्रचार प्रसार करें जिससे लोगों को लाभ मिल सके और सभी सरकारी कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगाने की कार्यवाही की जाये। मण्डी सचिव को निर्देशित किया गया कि मण्डी में कायाकल्प की आवश्यकता है उसको दिखवा लिया जाये और पेड़–पौधे लगवाये जाये। बैठक के दौरान नगर पंचायतों के राजस्व वसूली, अतिक्रमण आदि की समीक्षा की गयी, बैठक में ईओ नगर पंचायत

पट्टी अनुपस्थित पाये गये जिस पर जिलाधिकारी ने ईओ नगर पंचायत पट्टी के विरूद्ध कार्यवाही हेतु एडीएम को निर्देशित किया।

जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि नामान्तरण, पैमाइश, वरासत के प्रकरणों को लम्बित न रहें उनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें, शिकायते डिफाल्टर श्रेणी में कदापि न जाने पाये। बैठक में जिलाधिकारी ने न्यायालय में लम्बित वादों की समीक्षा की और निर्देशित किया कि जिन न्यायालय में मानक के अनुरूप लम्बित वाद का निस्तारण नही हुआ है उन्हें प्रतिकूल प्रविष्टि दी जाये, न्यायालय में लम्बित वादों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। जिलाधिकारी के समक्ष जिन तहसीलों की जो भी शिकायते है उन शिकायतों का निस्तारण यथाशीघ्र कराना सुनिश्चित करायें। फार्मर रजिस्ट्री के कार्यो की समीक्षा की गयी जिसमें तहसील लालगंज की प्रगति ठीक नही पायी गयी जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार लालगंज को स्पष्टीकरण हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि भू–माफियाओं द्वारा यदि कहीं पर अतिक्रमण किया गया हो तो उन पर कार्यवाही की जाये, चारागाह की जमीनों पर हुये अतिक्रमण को हटवाकर सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी को स्थानान्तरित कर उस पर हरे चारे की बुवाई करायी जाये। अंश निर्धारण का प्रचार प्रसार किया जाये। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने–अपने क्षेत्रों के अन्तर्गत ठण्ड व शीतलहर को देखते हुये अलाव जलने वाले स्थलों का निरीक्षण करते रहे, जहां पर गरीबों एवं असहायों को कम्बल की आवश्यकता हो उन्हें उपलब्ध करायें। बैठक चकबन्दी, राजस्व विभाग के अन्य कार्य जिसमें स्वामित्व योजना, घरौनी, आडिट आपत्ति सहित अन्य कार्यो की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। अन्त में जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि अपने–अपने कार्यो एवं दायित्वों का सम्यक निर्वहन करें, लापरवाही कदापि न बरते, अन्यथा की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय तिवारी सहित सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

प्रधानाचार्य परिषद का जनपदीय सम्मेलन 23 को

बस्ती(आरएनएस)। प्रदेश नेतृत्व द्वारा जनपदीय कार्यकारिणी के अनुमोदन के बाद उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद का जनपदीय सम्मेलन और शैक्षिक संगोष्ठी शनिवार को दिन में 10 बजे से श्रीकृष्ण पाण्डेय इण्टर कालेज बस्ती के सभागार में आयोजित किया गया है। सम्मेलन में जनपद के सभी प्रधानाचार्यों की उपस्थिति के लिए व्यापक सम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है। परिषद जिलाध्यक्ष योगेश शुक्ल ने बताया कि सम्मेलन और संगोष्ठी में प्रधानाचार्यो से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता से उठाये जाने के साथ ही उसके निराकरण की दिशा में प्रभावी निर्णय लिये जायेंगे।

अभियान की कड़ी में परिषद के जिला संरक्षक डा संजय सिंह, अध्यक्ष योगेश शुक्ल, मंत्री डा हरेन्द्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष कृष्णदेव द्विवेदी, डॉ. बृजेश पासवान, डा मनोज सिंह, संजय कुमार द्विवेदी, संयुक्त मंत्री डॉ. प्रमोद उपाध्याय कोषाध्यक्ष विद्याधर वर्मा ने किसान इंटर कॉलेज भानपुर,संत कबीर इंटर कालेज मुहम्मदनगर, मेहीलाल इंटर कालेज असनहरा, आदर्श उमावि बरगदवा, बाबूराम सिंह इं कालेज मझौवा जगत,आदर्श इंटर कालेज सल्टौवा, औद्योगिक विकास इं कालेज बिहरा,नेशनल इंटर कालेज हरैया, महादेव शुक्ल कृषक इण्टरं कालेज गौर,

उ०मा०वि० इटवा कुनगाई,राम आसरे सिंह इंका सुमहीं,आमा टिनिच,आनंद इंटर कालेज बेलहरा विद्यालय पहुंचकर प्रधानाचार्यों से उनकी विद्यालयी समस्याओं पर चर्चा की। इसके साथ ही विश्वास दिलाया कि लम्बित समस्याओं के समाधान की दिशा में संगठन हर संभव प्रयास करेगा। इसके लिए आवश्यकता के अनुसार परिषद के प्रदेश नेतृत्व से भी सहयोग और परामर्श लिया जाएगा। यह भी तय किया गया कि प्रधानाचार्य परिषद के सभी सदस्यों से निरंतर सम्पर्क बनाए रखने के लिए नियमित पाक्षिक या मासिक बैठकें भी की जाएंगी।

वार्षिक चुनाव गहमा गहमी के बीच सम्पन्न

लालगंज, मीरजापुर। तहसील परिसर में विंध्य युवा अधिवक्ता समिति का वार्षिक चुनाव गहमा गहमी के बीच बुधवार को संपन्न हुआ। जिसमें दो पदों के लिए मतदान कराया गया है। अध्यक्ष पद के लिए वृजभूषण पांडेय एवं सचिव के लिए राकेश प्रजापति निर्वाचित हुए हैं। अन्य पदों पर चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ। लालगंज तहसील में स्थित विंध्य युवा अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष पद के लिए 83 मत पाकर बृजभूषण पांडेय विजेता बने, निकटतम प्रतिद्वंद्वी रहे श्यामधर पांडेय को 65 मत प्राप्त हुए और 18 मतों के अंतर से बृजभूषण विजेता बने। सचिव पद के लिए राकेश कुमार प्रजापति 75 वोट प्राप्त कर विजेता घोषित हुए।

संक्षेप

चीन से आये नये वायरस एचएमपीवी से निपटने में कारगर है होम्योपैथी

बस्ती (आरएनएस)। वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक एवं जिला चिकित्सालय में आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा ने चीन से फैले नये वायरस एचएमपीवी पर जानकारी देते हुये बताया कि इससे डरने की जरूरत नहीं है। यह कोरोना की तरह जान लेवा वायरस नहीं है। बताया कि राइनोवायरस और ह्यूमन मेटान्यूमो वाइरस (एचएमपीवी) के संक्रमण के कुछ मामले भारत में भी सामने आये हैं। संक्रमितों में 14 साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या अधिक है। डा. वर्मा ने बताया कि आम तौर पर सर्दियों के दिनों में सर्दी जुकाम , सांस रोग के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जाती है। एचएमपीवी वायरस से बचाव के लिये होम्योपैथी में अनेक दवायें उपलब्ध हैं।डा. वर्मा ने बताया कि एचएमपीवी वायरस के संक्रमण से मरीज को बचाने या हो जाने पर आर्सेनिक एलबम 200, यूपेटोरियम पर्फ 200 बहुत प्रभावी है। डा. वर्मा ने बताया कि मरीजों को यह दवायें किसी कुशल चिकित्सक के परामर्श से ही लेना चाहिये। वैसे होम्योपैथी की एक दवा अनेक रोगों में कारगर है और लक्षण के अनुसार दवायें काम करती है, होम्योपैथी दवाओं का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता फिर भी सजगता आवश्यक है। डा. वर्मा ने बताया कि एचएमपीवी वायरस की पुष्टि हो जाने के बाद लक्षणानुसार एकोनाइट, बेलाडोना, एल्यिम सीपा, नेट्रम म्योर, चाइना, एल्यिम सटाइबा, नेट्रम सल्फ, नक्सबोम, इपिकाक आदि दवाओं का सेवन चिकित्सक के परामर्श पर करना चाहिये। इस वायरस से डरने की कोई आवश्यकता नही है।

दिव्यांगता के क्षेत्र में सहयोग पर विमर्श

बस्ती (आरएनएस)। दिव्यांगता के क्षेत्र में विश्व स्तर पर कार्य करने वाले वायसऑफएसएपी के संस्थापक प्रणव भाई देसाई ने अमेरिका से भारत आकर अयोध्या दर्शन के बाद हर्रैया बाजार के निकट खुली परिचर्चा भारत में हो रहे दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यो पर व्यापक विमर्श करते हुये आवश्यक आवश्यकताओं की समीक्षा किया। कहा कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचे, उनके जीवन में बदलाव आये यह हम सबका प्रथम लक्ष्य होना चाहिये।परिचर्चा में शिक्षित युवा सेवा समिति के निदेशक गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यो, रचनात्मक गतिविधियों के बारे में प्रणव भाई देसाई को विस्तार से जानकारी दिया और सहयोग के लिये आभार प्रकट किया।कार्यक्रम में विशेष शिक्षक एवं दिव्यांग जनों ने भाग लिया। इनमें श्रवण और समर्थ दिव्यांग व्यक्तियों को स्मार्टफोन, सिलाई मशीन, स्मार्ट विजन ग्लास जैसे उपकरण प्राप्त हुए थे, और उन्होंने इन उपकरणों से मिलने वाले लाभ के बारे में बताया। साथ ही भविष्य की चुनौतियों और उनके समाधान पर भी चर्चा की गई।प्रणव भाई देसाई ने सरकारी योजनाओं, विशेष रूप से निरामय स्कीम, के बारे में जानकारी दी। उन्होंने दिव्यांग जनों के लिए उपलब्ध विभिन्न सहयोग योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया और सभी से आह्वान किया कि वे बस्ती जनपद में अधिक से अधिक दिव्यांग जनों को इन योजनाओं का लाभ दिलवायें।परिचर्चा में प्रणव भाई देसाई के सलाहकार डॉ. उत्तम ओझा ने भी सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।कार्यक्रम में विशेष शिक्षक विनोद, शालिनी, पूनम, अनसूया, चांदनी, राघवेन्द्र, राम जी, चंद्रशेखर, राम सुरेश, अमर सिंह, फरीदा सहित 50 से अधिक लोग शामिल रहे।

छात्रों को वितरित किए गए स्वेटर

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी(आरएनएस)। विकास खंड सिरौलीगौसपुर के प्राथमिक विद्यालय बदोसराय प्रथम में अधिक उपस्थिति वाले छात्रों एवं निपुण

छात्रों को विद्यालय में कार्यरत सहायक अध्यापक अभिषेक सिंह अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ,प्रधानाध्यापक धर्मराज, सहायक अध्यापिका पूजा देवी, पूनम वर्मा, शबीना इब्राहिम, शिक्षामित्र अर्शिया खातून ने अपनी निज धनराशि से कुल 75 छात्रों को शीतलहर प्रारंभ होने के पूर्व स्वेटर एवं मोजों का वितरण किया। अभिषेक सिंह ने कहा कि पूरे स्टाफ के सहयोग से छात्रों का उपस्थिति प्रतिशत बढ़ाने एवं शासन की मंशा के अनुरूप विद्यालय को निश्चित समयावधि में निपुण बनाने हेतु यह निर्णय लिया गया। प्रत्येक वर्ष इस परंपरा का निर्वहन किया जाएगा। बताते चलें विद्यालय में कुल 227 छात्र नामांकित हैं एवं प्रत्येक कार्य दिवस में छात्रों को विद्यालय में उपस्थित रहने हेतु अभिभावक संपर्क के साथ साथ निपुण बनाने की दिशा में पूर्ण मनोयोग से प्रयास किया जाता है। पूर्व में प्रमुख सचिव बाल पुष्टाहार विभाग सारिका मोहन द्वारा विद्यालय निरीक्षणध्भ्रमण के दौरान विद्यालय के भौतिक एवं अध्यापन कार्य से प्रसन्न होकर विद्यालय की तुलना मांटेसरी विद्यालय से की थी।

खिसकाई जा रही फाइलें

जौनपुर(आरएनएस)। जिले की तहसीलों में हर हफ्ते शनिवार को लगने वाला संपूर्ण समाधान दिवस केवल औपचारिकता बन कर रह गया है। समस्याओं के समाधान के नाम पर सिर्फ फाइलें खिसकाई जा रही हैं। दिवस पर ऐसे मामले सामने आए, जिनमें कोई फरियादी चार तो कोई 25 साल से अधिकारियों के हाथ–पांव जोड़ रहा है लेकिन उसे न्याय नहीं मिल पाया। कहीं उच्चाधिकारियों के स्तर पर तो कहीं निचले स्तर के कर्मचारियों की कारस्तानी से फरियादी तहसीलों के चक्कर लगाने को विवश हैं। एडीएम की सख्ती, राजस्व कर्मचारियों को लगाई फटकार रू केराकत संपूर्ण समाधान दिवस पर तहसील में जनता की शिकायतों का निस्तारण करने पहुंचे एडीएम वित्त एवं राजस्व अक्षयबर चौहान ने राजस्व कर्मचारियों की लापरवाही पर सख्ती दिखाई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आपदा रजिस्टर, सर्विस बुक, संग्रह अमीन, नजारत पटल आदि का मुआयना किया और विभिन्न विभागों में खामियों की पहचान की और कम वसूली पर नाराजगी जाहिर की। उपजिलाधिकारी सुनील कुमार भारती, तहसीलदार महेंद्र प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार हुसैन अहमद, नायब तहसीलदार अमित सरोज आिद उपस्थित रहे।

15 हजार रूपये का इनाम घोषित

आजमगढ़रू(आरएनएस)पुलिस के अनुसार 27 अगस्त को वादी मुकदमा की नाबालिक पुत्री को अभियुक्त द्वारा शादी का झांसा देकर करीब 06 माह पूर्व अपने साथ भगा ले जाने, 3– 4 दिन तक अपने साथ रखकर तथा उसके साथ शारिरीक सम्बन्ध बनाना व वीडियो बना लेना तथा अपने मो0नं0 9987••••••• से भिन्न भिन्न नम्बरों पर आपत्तिजनक वीडियो भेज कर वायरल कर देना तथा मोबाइल फोन के माध्यम से गाली गुप्ता देना व जान से मारने की धमकी देना जिसके आधार पर थाना बिलरियागंज पर मुकदमा पंजीकृत कराया गया।विवेचना के दौरान पुलिस को अभियुक्त द्वारा अपनी फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया जिसके आधार पर उसके उपर एक और मुकदमा बढ़ गया। विवेचना के बीच अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु अभियुक्त के विरूद्ध मा0 न्यायालय से दिनांक 04 सितंबर 24 को गैरजमान्ती वारण्ट, दिनांक 25.सितंबर 2024 को 82 दं0प्र0सं0 उद्घोषणा व दिनांक– 06. नवंबर.2024 को 83 दं0प्र0सं0 के तहत कुर्की का आदेश मा0 न्यायालय से प्राप्त किया गया था। जिसके तहत 09.सितंबर 2024 को अभियुक्त के विरूद्ध धारा 83 दं0प्र0सं0 की तहत कुर्की करते हुए । मफरूरी में आरोप पत्र मा0 न्यायालय प्रेषित किया जा चुका है ।

जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन

आजमगढ़(आरएनएस) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उ0प्र0 के निर्देशन में तथा जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष जिला विज्ञान क्लब तथा मुख्य विकास अधिकारी एवं उपाध्यक्ष जिला विज्ञान क्लब की सहमति से जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन आज डीएवी इण्टर कालेज, आजमगढ़ में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री अनुराग श्रीवास्तव मुख्य कोषाधिकारी आजमगढ़ द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा कक्षा–9 से 12 तक के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए 75 मॉडलों का बारीकी से निरीक्षण किया गया और बच्चों को प्रोत्साहित किया गया। इसमें प्रथम स्थान श्री शादान खान रफी मेमोरियल इंग्लिश स्कूल माहुल द्वारा बॉर्डर सिक्योरिटी रोबोटिक फोर्स, जिसमें रोबोट द्वारा देश की सीमा के आस पास किसी के आने पर ऑटोमैटिक फायर होने लगेगा, को दिया गया। द्वितीय स्थान सार्थक यादव एसकेडी विद्या मंदिर धनछुला आजमगढ़ द्वारा सर्विंग रोबोट, जिसमें रोबोट द्वारा रेस्टोरेंट में खाना परोसा जाएगा, को दिया गया एवं तृतीय स्थान आदित्य यादव अमजद अली इंटर कॉलेज मुहम्मदपुर द्वारा सोलर एनर्जी मॉडल को प्राप्त हुआ तथा दो सांत्वना दिव्यांशु यादव डीएवीइंटर कॉलेज आजमगढ़ द्वारा एयर प्यूरिफाइंग सिस्टम एवं अर्चना कुमारी गांधी स्मारक इंटर कॉलेज मुबारकपुर आजमगढ़ को प्राप्त हुआ। विज्ञान मॉडलों का मूल्यांकन तकनीकी मूल्यांकन समिति राजकीय पालिटेक्निक, आजमगढ़ के प्रवक्ता गण श्री प्रेमानंद पटेल, श्री नवीन नारायण सिंह, इ० कुलभूषण सिंह तथा श्री अखिलेश यादव प्रवक्ता भौतिक विज्ञान डीएवी इंटर कॉलेज ने किया। जिला समन्यवक ई० कुलभूषण सिंह ने बताया कि जनपद स्तर पर चयनित प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को क्रमशः रू0 5000, रू0 3000, एवं रू0 2000 तथा दो सांत्वना पुरस्कार प्रत्येक को 1000 रू0 प्रदान किया गया।

ग्रामीणों को नशा से दूर रहने को दिलाई शपथ

चित्रकूट(आरएनएस)। सेवा भारती और विकास पथ सेवा संस्थान ने ब्लाक पहाड़ी क्षेत्र के ग्राम अरछा बरेठी में चौपाल लगाकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और नशाखोरी के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित नशामुक्त भारत अभियान में जिलाधिकारी से नामित सदस्य एवं सेवा भारती के जिला महामंत्री राजकिशोर शिवहरे द्वारा गांव–गांव में चौपाल एवं विद्यालयों में जाकर लोगों को किसी भी प्रकार के नशा व्यसन से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में अरछा बरेठी गांव के केवटन पुरवा, हीरालाल का पुरवा व नई दुनिया में चौपाल लगाकर लोगों को किसी भी प्रकार के नशा, व्यसन से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इसके पहले भी गांव के तीन सेवा बस्तियों में चौपाल लगाकर लोगों को नशा से होने वाले दुष्प्रभाव के विषय में विस्तार से अवगत कराया। कहा कि घर में एक व्यक्ति के नशा करने से पूरा परिवार तो प्रभावित होता ही है साथ में मान मर्यादा भी प्रभावित होती है। जिसके कारण घर परिवारों में होने वाले हिंसा से आर्थिक

,शारीरिक, मानसिक सभी का हनन होता है। साथ ही बताया गया कि घर से निकलने वाले कचरे को निश्चित स्थान में ही फेंके। डिस्पोजल गिलास, थर्माकोल, प्लास्टिक और पालीथीन का उपयोग न करें। सेवा भारती के जिला प्रचार प्रमुख शंकर यादव ने कहा कि जब स्वयं नशा नहीं करेंगे तभी दूसरों को मना कर पाएंगे। बच्चों को अच्छी शिक्षा दें। यही बच्चे देश और समाज के कर्णधार बनेंगे। उन्होंने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना, वृद्धा, विधवा पेंशन आदि योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को विकास पथ सेवा संस्थान के सौजन्य से जूस का निशुल्क वितरण किया गया। विकास पथ सेवा संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक लवलेश सिंह ने बताया कि आहार और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा बच्चों के साथ माताएं भी स्वस्थ्य रहें। अन्न पैदा करने में रासायनिक खाद और कीटनाशक का कम इस्तेमाल करें। जैविक खाद व कीटनाशक का अधिक उपयोग में लाने का प्रयास करें। जिससे स्वस्थ वातावरण का निर्माण हो।

शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

शिकायतकर्ता लक्ष्मी तिवारी निवासी चंघईपुर ने शिकायत किया कि प्रार्थिनी की भूमिधरी गाटा संख्या–1311 की दक्षिणी सीमा पर सरकारी चकमार्ग गाटा संख्या–1312 की भूमि चको तथा आबादी की सीमा को अलग करती हुई आवागमन हेतु छोड़ी गयी है जो राजस्व अभिलेखों में अंकित है परन्तु ग्राम के आद्या प्रसाद तिवारी द्वारा चकमार्ग की भूमि पर अतिक्रमण करके आवागमन अवरूद्ध कर दिया गया है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी रानीगंज एवं एसओ देल्हूपुर को निर्देशित किया है कि जांच करते हुये चकमार्ग से नियमानुसार अतिक्रमण हटवाने की कार्यवाही की जाये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को

निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

तालिब ग्राम पंचायत सदस्य ने गरीबो को बांटा कम्बल

प्रयागराज। विकास खंड मऊआइमा में ग्राम सभा मऊआइमा बटहा में तालिब अंसारी ग्राम पंचायत सदस्य ने गरीबों असहाय व जरूरत मंद लोगों को ठंड से बचाव के लिए कम्बल तथा सूटर जाकिट वितरण किया। कम्बल सूटर साल पाकर महिलाओं के चेहरों पर खुशियां नजर आई, वहीं आपको बताते चलें ग्राम पंचायत मऊआइमा बटहा में पुरुषों व महिलाओं को कंबल व सूटर जाकिट वितरण किया गया, तालिब पत्रकार ने कहा कि गरीबों का सेवा करना यही हमारा कार्य है, वही कड़ाके के ठंड में गरीबों को कंबल सूटर व साल उपलब्ध कराया गया, वहीं तालिब अंसारी ग्राम पंचायत सदस्य हमेशा गरीबों के लिए हर मदद करता रहता है। इसी क्रम में मोहम्मद गुलफाम , मोहम्मद महताब, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद जमील, श्याम लाल साहु, गंगा साहु व आदि लोग मौजूद रहे।

फॉर्मर रजिस्ट्री के सम्बन्ध में अति आवश्यक बैठक संपन्न

आजमगढ़। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में फॉर्मर रजिस्ट्री के सम्बन्ध में अति आवश्यक बैठक आयोजित हुई। महोदय द्वारा फॉर्मर रजिस्ट्री में जनपद की खराब प्रगति होने के गहरा रोष प्रकट किया गया तथा प्रगति में सुधार हेतु निम्न निर्देश सभी सम्बंधित अधिकारियो को दिए गए दृसमस्त उप जिलाधिकारी अपने तहसील अंतर्गत सभी लेखपालों को ग्राम आवंटित करते हुए प्रति लेखपाल प्रतिदिन कम से कम 10 फार्मर रजिस्ट्री बनाए जाने का लक्ष्य निर्धारित कर दें स उक्त के अतिरिक्त तहसील अंतर्गत संचालित जन सेवा केन्द्रों के संचालक के साथ बैठक कर उनसे अधिक से अधिक फॉर्म रजिस्ट्री बनाना सुनिश्चित कराएं।कृषि विभाग को निर्देशित किया कि समस्त क्षेत्रीय कार्मिक भी प्रति कार्मिक अपने क्षेत्र के कम से कम 10 कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री ब्ैब केंद्र या सेल्फ मोड से बनवाए स सम्बंधित कार्मिक ग्राम पंचायत में फॉर्मर रजिस्ट्री के सम्बन्ध में व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए इसके लाभ के बारे में कृषकों को जागरुक भी करेंगे.समस्त खंड विकास अधिकारियोंध् जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वह अगले दो दृ तीन दिवस में फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में सभी ग्राम प्रधानों के साथ बैठक कर फार्मर रजिस्ट्री बनवाने हेतु ग्राम सभा में मुनादी करा दें तथा ग्राम पंचायत में कार्यरत पंचायत सहायकों के माध्यम से फार्म रजिस्ट्री का कार्य कराना सुनिश्चित करें,जन सेवा केंद्रों के जनपदीय जिला प्रबंधक जितेन्द्र विश्वकर्मा को निर्देशित किया कि वह जनपद में संचालित समस्त जन सेवा केन्द्रों से प्रति केंद्र से कम से कम 10 फार्मर रजिस्ट्री प्रति दिन बनवाना सुनिश्चित करेंगे।

ठिठुरते रहे लोग चली बर्फीली हवाये

आजमगढ़रू(आरएनएस)आजमगढ़ जनपद में चल रही बर्फीली हवा से ठंड बढ़ जाने से लोग ठिठुरते हुए नजर आए,तीन दिनों से आसमान में बादल छाये हुए है। सूर्य के दर्शन नहीं हुए। चल रही बर्फीली हवा से ठंड बढ़ जाने से लोग ठिठुरते हुए नजर आए। सोमवार की अपेक्षा मंगलवार को अधिकतम के साथ न्यूनतम तापमान भी दो डिग्री सेल्सियस नीचे लुढ़क गया है।शनिवार को हुई बूंदाबादी के बाद से मौसम अचानक परिवर्तित हो गया। तभी से लगातार आसमान में बादल छा गए। रविवार की भोर में कोहरे को चिरते हुए कुछ देर के लिए धूप निकली तो लोगों ने राहत महसूस की। लेकिन चंद घंटे बाद ही पछुआ हवा के साथ आसमान में बादल छा गए। पूरे दिन बादलों के साथ ही पछुआ हवा चल रही थी। मंगलवार की सुबह से भी आसमान बादल छाये हुए थे। सूर्य के तीन दिनों से दर्शन को लोग तरस गए। तेज पछुआ हवा चलने से ठंड बढ़ गयी है। जिससे लोग पूरे दिन ठिठुरते हुए नजर आए। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों को हो रही है। ठंड से बचने के लिए वे अलाव का सहारा ले रहे हैं। सोमवार को अधिकत तापमान 21 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस जहां रहा, वहीं मंगलवार को अधिकतम तापमान दो डिग्री गिरकर 19 और न्यूनतम तापमान भी दो डिग्री सेल्सियस गिरकर 9 डिग्री पर पहुंच गया।

वाहन चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद में चलाये जा रहे यातायात से सम्बन्धित अभियान के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई, चेकिंग के दौरान दो–पहिया, चार पहिया वाहनों को चेक किया गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 332 वाहनों का ई–चालान किया गया तथा 01 वाहन को सीज किया गया।

एनटीपीसी ने फ्लाई ऐश आधारित 'सुख' इको–हाउस का अनावरण

सोनभद्र। भारत की सबसे बड़ी एकीकृत पावर यूटिलिटी एनटीपीसी लिमिटेड ने भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (प्प्ज्थ्) 2024 में अपनी अभिनव इको–फ्रेंडली और सस्ती आवासीय समाधान 'सुख' इको–हाउस का अनावरण किया, जो सतत आवास समाधान में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह इको–हाउस थर्मल पावर प्लांट्स से प्राप्त फ्लाई ऐश और ऐश–आधारित उत्पादों का लगभग 80: उपयोग करते हैं, जो ग्रामीण आवास के लिए एक क्रांतिकारी दृष्टिकोण पेश करते हैं और कंपनी की स्थिरता और शून्य–कार्बन उत्सर्जन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इन घरों में ऐश से बने इन्टरलॉकिंग वॉल ब्लॉक्स का उपयोग किया गया है, जिससे इन्हें बनाने के लिए रेत, सीमेंट, स्टील या मोर्टार की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे निर्माण की लागत और समय में काफी कमी आती है। ऐश–आधारित निर्माण सामग्री के उपयोग से सीमेंट और प्राकृतिक एग्रीगेट्स की आवश्यकता समाप्त हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप कम कार्बन उत्सर्जन और शीर्ष मिट्टी के क्षरण को रोका जा सकता है। एक सामान्य 30 वर्ग मीटर का घर जिसमें ड्राइंग रूम, बेडरूम, रसोई और शौचालय शामिल हैं, को सिर्फ घ्1,50,000 में 15–20 दिनों के भीतर बनाया जा सकता है। इसके अलावा, इन घरों में पारंपरिक निर्माण विधियों की तुलना में 75: कार्बन उत्सर्जन की कमी आती है। नींव से लेकर छत तक, और खिड़की–दरवाजे के फ्रेम तक, पूरा निर्माण ऐश–आधारित सामग्री से किया जाता है। इस डिजाइन में घर को न्यूनतम क्षति के साथ फिर से स्थापित किया जा सकता है, जिससे इसकी व्यवहारिकता और दीर्घायु बढ़ती है।भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में, एनटीपीसी गर्व से अपने परिवर्तनीय आवास समाधान का प्रदर्शन कर रहा है, जो कंपनी के हरे निर्माण प्रथाओं के माध्यम से स्थिर भविष्य को बढ़ावा देने के प्रयासों को रेखांकित करता है। आगंतुक देख सकते हैं कि कैसे कंपनी थर्मल पावर जनरेशन से उपजे फ्लाई ऐश को सस्ती और मजबूत निर्माण सामग्री में पुनः उपयोग कर रही है।

महाकुंभ में किन्नर अखाड़े का अमृत स्नान देख लोग हुए रोमांचिक, रथों के पीछे भागते रहे भक्त

(प्रयागराज) । महाकुंभ में किन्नर अखाड़े ने पहली बार अमृत स्नान किया। जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़े के संत शाही रथों और बग्घियों पर सवार होकर अमृत स्नान के लिए पहुंचे। किन्नर अखाड़े ने श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के साथ अमृत स्नान में हिस्सा लिया। किन्नर अखाड़े के संतों के पहुंचते ही संगम तट पर मौजूद लाखों की भीड़ रोमांचित हो गई। अखाड़ा मार्ग के दोनों तरफ भक्त ठसाठस भरे रहे। किन्नर संतों के आने की सूचना पर भक्त जयकारे लगाने लगे। बड़ी संख्या में भक्त उनका पैर छूने के लिए रथों के पीछे भाग रहे थे। पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान लोगों को रोक रहे थे और एक किनारे कर रहे थे लेकिन लोग

बैरिकेडिंग लांघकर किन्नर संतों का चरण स्पर्श करने के लिए ध ाक्कामुक्की करते देखे गए। राजशाही तरीके से सुसज्जित रथों पर सवार होकर किन्नर संत अमृत स्नान के लिए पहुंचे। स्नान करके लौटते समय किन्नर संतों ने लोगों को निराश नहीं किया और भक्तों के सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद दिया। महाकुंभ 2025 के पहले अमृत स्नान के पावन अवसर पर किन्नर अखाड़ा आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना। आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की अगुवाई में किन्नर अखाड़े के सभी सदस्यों ने दोपहर में संगम नोज पहुंचकर अमृत स्नान किया। महा संक्रांति के पर्व पर किन्नर अखाड़े ने समाज के कल्याण और उन्नति की कामना की। किन्नर अखाड़े के सदस्य हर हर महादेव का नारे लगाते हुए संगम की ओर बढ़े। बीच में छत्र के नीचे आचार्य महामंडलेश्वर चल रहे थे और उनके साथ अखाड़े के अन्य महामंडलेश्वर उपस्थित थे। इस दौरान किन्नर अखाड़े के साधु पारंपरिक शस्त्रों का प्रदर्शन कर रहे थे। तलवारें लहराते हुए और जयघोष करते हुए उन्होंने अमृत स्नान का शुभारंभ किया किन्नर अखाड़े की सदस्य राम्या नारायण गिरी ने बताया कि अमृत स्नान के अवसर पर प्रत्येक सदस्य ने भारतवासियों की सुख–समृद्धि और देश के कल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का यह पर्व न केवल ध ार्मिक आयोजन है, बल्कि समाज के प्रति सकारात्मक संदेश देने का भी एक माध्यम है। किन्नर अखाड़े के सदस्य शस्त्रों के साथ अपनी परंपराओं का अद्भुत प्रदर्शन करते नजर आए। तलवारों और अन्य शस्त्रों को लहराते हुए उन्होंने अपनी शक्ति और परंपरा का परिचय दिया। जयघोष और हर हर महादेव के नारों के बीच पूरा माहौल उत्साह और आस्था से भर गया। किन्नर अखाड़े के इस आयोजन ने महाकुम्भ 2025 में एक विशेष छवि प्रस्तुत की। उनके संदेश ने यह स्पष्ट किया कि समाज के हर वर्ग का उत्थान और कल्याण भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है।

बेटे की नौकरी तो कोई परीक्षा में पोते के अच्छे अंक आने के लिए घर ले गया संतों की चरण धूलि

प्रयागराज। महाकुंभ पर अमृत (शाही) स्नान के बाद लौट रहे नागा संन्यासियों और संतों की चरण धूलि लेने और चरण स्पर्श करने के लिए होड़ मची रही। बड़ी संख्या में भक्त चरण धूलि को पोटली में बांधकर अपने घर ले गए। उनका कहना था कि चरण रज को घर में रखेंगे जिससे घर पवित्र हो जाएगा और भगवान की कृपा मिलेगी। जिस रास्ते से नागा संन्यासी और संत गुजर रहे थे उनके पीछे भक्त उनके चरण धूलि को माथे लगाने और बटोरने में जुटे थे। इसके लिए होड़ मची रही। चरण रज घर ले जा रहे भक्तों ने बातचीत में बताया कि बेटे की नौकरी और परीक्षा में पोते को अच्छे अंक मिलें इसके लिए रज को ले जा रहे हैं। बिहार से आए एक भक्त राजेश ठाकुर ने बताया कि वह घर में सुख और शांति के लिए रज रखेंगे। इसी तरह पश्चिम बंगाल के मिदनीपुर की मीनाक्षी देवी ने बताया कि बेटी की शादी और पति की लंबी आयु के लिए वह धूल को अपने साथ ले जा रही हैं। कुंभ 2019 में भी वह चरण रज को घर ले गई थीं और उनकी मनोकामना पूरी हुई थी।

21 शृंगार कर नागा संन्यासी लगाएंगे अमृत स्नान की पहली डुबकी, गुरु और शिष्य साथ-साथ करेंगे स्नान

प्रयागराज। नख से शिख तक भभूत। जटाजूट की वेणी, आंखों में सूरमा, हाथों में चिमटा, होठों पर सांब सदाशिव का नाम। भभूत लपेटे, दिगंबर, हाथ में डमरू, त्रिशूल और कमंडल के साथ ही अवधूत की धुन में झूमते हुए नागा त्रिवेणी के तट पर पहले अमृत स्नान के लिए प्रस्थान करेंगे। 13 अखाड़ों के साधु 21 शृंगार के साथ अमृत स्नान की पहली डुबकी लगाएंगे। महाकुंभ के पहले अमृत स्नान में अपने इष्ट महादेव की तरह ही नागा साधुओं का शृंगार भी देश भर के श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होगा। दीक्षा की वेशभूषा दिगंबर स्वरूप में ही नागा साधु अमृत स्नान से पहले तन–मन को 21 शृंगार से सजाएंगे। त्रिवेणी के तट पर महाकुंभ का पहला अमृत स्नान पुष्य और पुनर्वसु नक्षत्र में आरंभ हो रहा है। प्रथम पूज्य भगवान गणेश का पूजन करने के बाद नागा साधु आदियोगी शिव के स्वरूप में खुद को सजाएंगे। शरीर में भस्म लगाने के बाद चंदन, पांव में चांदी के कड़े, पंचकेश यानी जटा को पांच बार घुमाकर सिर में लपेटेंगे, रोली का लेप, अंगूठी, फूलों की माला, हाथों में चिमटा, डमरू, कमंडल, माथे पर तिलक, आंखों में सूरमा, लंगोट, हाथों व पैरों में कड़ा और गले में रुद्राक्ष की माला धारण करने के बाद नागा साधु प्रस्थान करेंगे। महानिर्वाणी अखाड़े के शंकरपुरी महाराज ने बताया कि हिंदू धर्म में सुहागिन 16 शृंगार करती हैं, लेकिन नागा साधु अमृत स्नान के लिए 21 शृंगार करते हैं। इसमें शरीर के साथ ही मन और वचन का भी शृंगार शामिल होता है। इसके साथ ही सर्वमंगल की कामना भी होती है। इस शृंगार का मतलब दिखावा करना नहीं होता है। नागा साधु इसे अंदर तक महसूस भी करते हैं। महादेव को प्रसन्न करने के लिए 21 शृंगार के साथ ही नागा साधु संगम में अमृत स्नान की डुबकी लगाएंगे।मेले में आसन लगाए नागा साधु खड़ेश्वरी बाबा बताते हैं, नागा बनने के बाद साधना और तपस्या बेहद जरूरी है। स्नान से पहले नागा साधु खुद को सजाते हैं। इसमें तन के साथ ही मन को भी सजाना जरूरी होता है।

मां ने कहा संगम जाना है और बेटा त्रिपुरा से व्हील चेयर पर लेकर चल पड़ा, पुलिस की मदद से मिली नाव

प्रयागराज। मां ने कहा, बेटा महाकुंभ में मुझे संगम स्नान करा दे और बेटा मां को व्हील चेयर पर लेकर चल पड़ा। त्रिपुरा के रहने वाले व्यवसायी सुशांत पाल पौष पूर्णिमा पर अपनी 77 वर्षीय मां को मां को व्हील चेयर पर बैठाकर संगम पहुंचे और मां की इच्छा पूरी की। 55 वर्षीय सुशांत तुलारामबाग स्थित भारत सेवाश्रम में ठहरे हुए हैं। संगम तक पहुंचने और लौटने में उन्होंने तकरीबन 20 किलोमीटर चलकर यात्रा की। मां गीता पाल को व्हील चेयर में बैठाए जब वह संगम पहुंचे।

तड़के ही उमड़ा 80 लाख श्रद्धालुओं का रेला, बैरिकेडिंग तोड़ पहुंचे संगम

प्रयागराज। सुबह के करीब 6 बजे रहे थे। अमृत स्नान के लिए सबसे पहले महानिर्वाणी अखाड़े के संत संगम नोज के लिए निकल चुके थे। यह वह वक्त था जब 80 लाख के करीब श्रद्धालु मेले में प्रवेश कर चुके थे और संगम अपर मार्ग होते हुए तेजी से संगम की ओर बढ़ रहे थे। हालात यह हुए कि संगम नोज टॉवर नंबर एक से करीब 100 मीटर पहले ही अखाड़ा मार्ग पर की गई बैरिकेडिंग तोड़कर श्रद्धालु अखाड़ा मार्ग पर आ गए। यह देख अफसरों के हाथ–पांव फूल गए। बाद में आईटीबीपी के जवानों ने एक दूसरे का हाथ पकड़कर सुरक्षा घेरा बनाया और फिर सभी ने राहत की सांस ली। मकर संक्रांति पर भीड़ उमड़ेगी लेकिन तड़के ही श्रद्धालुओं की संख्या 80 लाख को पार कर जाएगी, इसका अंदाजा किसी ने नहीं लगाया था। यही वजह रही कि अखाड़ों के साधु–संतों के अमृत स्नान के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए किए गए सारे इंतजाम धरे रह गए।संगम पर पड़े आस्थावानों के ज्वार के आगे अखाड़ों के अमृत स्नान के लिए निर्धारित मार्ग की बैरिकेडिंग टिक नहीं सकी। टॉवर नंबर वन के पास स्थित मोड़ से लेकर संगम नोज तक कम से कम 10 जगहों से बैरिकेडिंग तोड़कर श्रद्धालुओं की भीड़ आगे बढ़ गई। श्रद्धालु अखाड़ा मार्ग से आगे तो बढ़े ही, संगम नोज के बाएं साइड में स्थित घाट पर पहुंचकर स्नान किया। साथ ही अखाड़ों के साधु–संतों के पांव भी छुए। संतो नें भी उन्हें निराश नहीं किया। आमतौर पर संगम स्नान के लिए जाते वक्त थोड़े भी व्यवधान से नाराज होने वाले साधु–संत मंगलवार को अलग ही रूप में नजर आए। न सिर्फ स्नान के बाद बल्कि संगम स्नान के लिए जाते वक्त भी कई नागा साधुओं ने रास्ते में रुककर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। अमृत स्नान के दौरान संगम घाट व अखाड़ा मार्ग पर उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने में कड़ी मशक्कत के बाद भी पुलिसकर्मियों के नाकाम रहने पर घुड़सवार पुलिस ने स्थिति संभाली। इस दौरान अमेरिकन ब्रीड के घोड़े जैकी, शाहीन व दारा ने भीड़ को दोनों तरफ से पीछे भेजकर साधु संतों के लिए अखाड़ा मार्ग खाली कराया। इसके बाद हालात नियंत्रित किए जा सके।

बीटेक की पढ़ाई छोड़कर भरत ने अपनाया वैराग्य, सपना था सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने का

प्रयागराज। मन में उठ रहे सवालों के उत्तर जानने के लिए बीटेक की पढ़ाई छोड़कर महज 18 वर्ष की उम्र से ही बंगलूरू निवासी भरत कुमार ने वैराग्य जीवन अपना लिया। अब वह भरतर्षभा दास महाराज बन गए। स्कूल के समय से ही पढ़ाई में हमेशा अव्वल रहने वाले भरत का सपना सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना था। मेले में आए भरतर्षभा दास बताते हैं, 1992 में एनआईटी केरल में दाखिला लिया। विज्ञान की वजह से नास्तिक हो गए थे, लेकिन भगवतगीता, पुराण और इस्कॉन के गुरु की जीवनी पढ़ने के बाद उनके जीवन में बदलाव आ गया। प्रथम वर्ष के दौरान मन में सवाल आया कि इस जीवन का ध्येय क्या है, क्या करेंगे इंजीनियर बन के। इसका उत्तर जानने के लिए हरे कृष्णा मूवमेंट से जुड़े। इसके बाद जीवन का लक्ष्य परमात्मा के करीब

पहुंचना हो गया। वह माता–पिता के इकलौते बेटे हैं। उनकी एक बहन भी है। जानकारी होने पर माता–पिता कहा, अगर आपकी यही इच्छा है तो जाओ और फिर कभी बात नहीं की। भरतर्षभा दास कहते हैं, अब बहुत अच्छा लग रहा है। जीवन में शांति मिली है। दस वर्षों से वृंदावन में रह रहे हैं, और अभी अक्षय पात्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

पर्यटकों व श्रद्धालुओं के भ्रमण के लिए खोला गया इलाहाबाद विश्वविद्यालय

प्रयागराज। महाकुंभ–2025 में प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए ज्ञान की गंगा के दर्शनार्थ भारत के चौथे प्राचीन विश्वविद्यालय (इलाहाबाद विश्वविद्यालय) के सीनेट परिसर और विजयनगरम् परिसर को भ्रमण के लिए 14 व।15 जनवरी को दो दिनों के लिए खोला गया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर जया कपूर ने बताया कि पर्यटक एवं श्रद्धालु दोपहर 2.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक दोनों परिसरों का भ्रमण कर सकते हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कला संकाय में स्थित सीनेट हाल 1910 में बनाना शुरू हुआ था और 1915 में यह पूरा हुआ। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग के अध्यक्ष रहे प्रोफेसर योगेश्वर तिवारी बताते हैं कि उस वक्त इसे बनाने में 1167 275 रुपए खर्च हुए थे। सर स्विंटन जैकब ने इसकी डिजाइन तैयार की थी। जिन्होंने राजस्थान में तमाम बड़ी इमारतों का निर्माण कराया था। उस वक्त चांसलर रहे सर जॉन हीवेट ने इसकी आधारशिला रखी थी। सर स्विंटन ने राजपूत और मुगल शैली में इसकी डिजाइन तैयार की थी। इसमें एक घड़ी भी लगी है जिसकी प्रेरणा लंदन की बिग बेन घड़ी से ली गई थी और इस घड़ी को इलाहाबाद में तैयार कराया गया था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय स्थित विजयनगरम हॉल का निर्माण 8 अप्रैल 1886 में पूरा हुआ था। उस वक्त इसे बनाने वाले आर्किटेक्चर विलियम इमरसन ने कहा था कि उत्तर भारत में ताजमहल के बाद अगर कोई दूसरी सबसे सुंदर और अनोखी इमारत है तो वह विजय नगराम हाल है। इसके गुंबद, मीनार और यह पूरा हाल बहुत ही खूबसूरत ढंग से तैयार किया गया है।

गंगा स्नान के बाद ठीक हो गया लॉरेन पॉवेल का स्वास्थ्य, भीड़ के चलते खराब हो गई थी तबीयत

प्रयागराज। महाकुंभ में भारी भीड़ से अभिभूत एप्पल के सह–संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी प्रयागराज पहुंचने के बाद अस्वस्थ हो गईं। उनका स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो गया, लेकिन गंगा स्नान और आराम के बाद उनकी हालत में सुधार हो रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक, सनातन धर्म के बारे में जानने का उनका उत्साह बरकरार है। लॉरेन पॉवेल अपने गुरु निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि के शिविर में पहुंचीं हैं। कैलाशानंद गिरि ने उनका कमला नामकरण किया है। सरकारी बयान में स्वामी कैलाशानंद के हवाले से कहा गया है लॉरेन सोमवार को थोड़े समय के लिए अस्वस्थ थीं, लेकिन गंगा स्नान और आराम के बाद बेहतर महसूस कर रही हैं। सनातन धर्म के बारे में गहराई से जानने का उनका उत्साह बरकरार है। स्वामी कैलाशानंद ने एक समाचार एजेंसी को बताया कि भीड़ के कारण उन्हें कुछ स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपनी नई शिष्या पॉवेल को सनातन धर्म में गहरी रुचि रखने वाली सरल और विनम्र महिला बताया। उन्होंने कहा कि वह अहंकार से मुक्त हैं और अपने गुरु के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि उनके सभी प्रश्न सनातन धर्म के इर्द–गिर्द घूमते हैं और उन्हें उत्तरों में बहुत खुशी और संतुष्टि मिलती हैं। पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के प्रमुख महंत रवींद्र पुरी ने बताया कि लॉरेन की आध यात्मिकता की खोज उन्हें महाकुंभ में

ले आईं। यहां उनको नया नाम दिया गया है। वह बहुत ही सरल, सौम्य हैं और यहां हैं। आध्यात्मिकता की उनकी खोज उन्हें यहां ले आई। जिस तरह से उन्होंने अखाड़े में खुद को संचालित किया है उससे यह स्पष्ट होता है कि दुनिया के सबसे अमीर और सबसे प्रसिद्ध लोगों में से एक होने के बावजूद, वह अहंकार रहित हैं और दिखावा नहीं करती हैं। यहां वह सादे कपड़े पहनती हैं और आचरण करती हैं। वह लो प्रोफाइल रहती हैं। वह यहां हमारी शाश्वत और कालजयी सनातनी संस्कृ ति, सभी चेतनाओं के मूल को देखने आई हैं। वह यहां सनातनी आस्था के प्रहरियों, साधु–संतों से मिल रही हैं। पुरी ने कहा कि कहा कि लॉरेन पहली बार कुंभ में आई हैं। यह पूछे जाने पर कि वह कितने समय तक यहां रहेंगी। वह रविवार को हमारे घर, निरंजनी अखाड़े में आईं और कुछ दिनों तक यहां रहेंगी।

महाकुम्भ 2025 के दौरान अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा मेले में आने वाले अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये **मुख्य स्नान पर्व मकर संक्राति** के अवसर पर 49 मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की योजना बनायी गयी है, जिसमें दिनांक 15.01.2025 को छोटी दूरी की 14 मेला विशेष रेलगाड़ियाँ समय-सारणीबद्ध हैं। शेष मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन आवश्यकतानुसार किया जायेगा। समय-सारणीबद्ध 14 मेला विशेष रेलगाड़ियों का विवरण निम्नवत् हैः-

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	संचालन की तिथि (दिन)	मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव
प्रयागराज जं. से कानपुर सेंट्रल की ओर जाने वाली मेला विशेष रेलगाड़ियाँ						
00108	प्रयागराज जं.	05:00	कानपुर सेंट्रल	10:15	15.01.2025 (बुधवार)	सूबेदारगंज, भरवारी, सिराथू, खागा, फ़तेहपुर एवं बिंदकी रोड
00109	प्रयागराज जं.	19:50	कानपुर सेंट्रल	01:25		
00110	प्रयागराज जं.	21:30	कानपुर सेंट्रल	02:40		
प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी से पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. की ओर जाने वाली मेला विशेष रेलगाड़ियाँ						
00210	प्रयागराज जं.	05:00	पं. दीनदयाल उपाध्याय जं.	08:30	15.01.2025 (बुधवार)	नैनी जं., मेजा रोड, मांडा रोड, विंध्याचल, मिर्ज़ापुर एवं चुनार जं.
00211	प्रयागराज जं.	15:30	पं. दीनदयाल उपाध्याय जं.	20:45		
00212	प्रयागराज जं.	18:00	पं. दीनदयाल उपाध्याय जं.	23:45		
00403	प्रयागराज छिवकी	20:30	पं. दीनदयाल उपाध्याय जं.	03:30		मेजा रोड, मांडा रोड, विंध्याचल, मिर्ज़ापुर एवं चुनार जं.
प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी/नैनी जं. से वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी/बाँदा/चित्रकूट धाम कर्वी की ओर जाने वाली मेला विशेष रेलगाड़ियाँ						
00308	प्रयागराज जं.	13:30	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	01:00	15.01.2025 (बुधवार)	नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर जं., चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बांदा जं., महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, निवाड़ी एवं ओरछा
00505	प्रयागराज छिवकी	16:45	बांदा जं	22:45		शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर जं., चित्रकूट धाम कर्वी एवं अतर्रा
00605	नैनी जं.	18:00	चित्रकूट धाम कर्वी	22:15		शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा एवं मानिकपुर जं.
प्रयागराज जं./प्रयागराज छिवकी/नैनी जं. से सतना/कटनी की ओर जाने वाली मेला विशेष रेलगाड़ियाँ						
00307	प्रयागराज जं.	10:40	कटनी जं.	17:30	15.01.2025 (बुधवार)	नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर जं., टिकरिया, मझगवां, जैतवार, सतना, मैहर एवं झुकेही
00309	प्रयागराज जं.	20:15	कटनी जं.	04:00		
00506	प्रयागराज छिवकी	20:55	कटनी जं.	04:30		शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर जं., टिकरिया, मझगवां, जैतवार, सतना, मैहर एवं झुकेही
00606	नैनी जं.	21:00	सतना	03:30		शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर जं., टिकरिया, मझगवां एवं जैतवार

नोटः- रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 86/25 (A)

नागाओं की धमकी ताक पर, काव्या का हाथ थाम फिरोज ने संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज। पौष पूर्णिमा पर सोमवार को संगम पर महाकुंभ की अद्भुत ताकत ने विश्व समुदाय का ध्यान बरबस अपनी ओर खींच लिया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अलावा अलग–अलग अखाड़ों और धर्माचार्यों की महाकुंभ में मुसलमानों के प्रवेश न करने की चेतावनी के बावजूद फिरोज खान 14 सौ किमी की दूरी तय कर मुंबई से अपनी पत्नी काव्या और डॉगी मैक्स के साथ संगम पहुंचे। फिरोज ने न सिर्फ गंगाजल से आचमन किया, बल्कि त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी भी लगाई। मंगलवार को वह अखाड़ों के बाद प्रथम अमृत स्नान में भी डुबकी लगाएंगे। इससे पहले फिरोज –नंदिता ने हरिद्वार के महाकुंभ में भी हर की पैड़ी पर डुबकी लगाई थी। नफरत और सामाजिक बिखराव के बीच मुंबई में एक निजी बैंक में

कैशियर फिरोज खान ने सनातन के प्रति अपनी आस्था जताई। संतों–नगाओं की सबसे बड़ी आध यात्मिक संस्था अखाड़ा परिषद की मुसलमानों को महाकुंभ में प्रवेश न करने की चेतावनी के बीच सोमवार को कोलकाता के फिरोज खान ने अपने जिगरी दोस्त डागी मैक्स और पत्नी नंदिता राजपूत के साथ डुबकी लगाई। दरअसल, फिरोज खान इबादत भी करते हैं और पूजा भी। इसकी बड़ी वजह उनकी पत्नी का हिंदू होना है। फिरोज ने काव्या सिंह राजपूत से प्यार होने के बाद शादी कर ली थी। खास बात यह रही कि दोनों ने अपने रिश्ते के बीच अपनी–अपनी रवायतों को जिंदा रखने के साथ ही अपने धर्म को यथावत मानते रहने का निर्णय लिया। काव्या हमेशा गंगा स्नान करती हैं। इस बार महाकुंभ लगने पर उन्होंने संगम में डुबकी लगाने के लिए अपने पति फिरोज से जिद की। लेकिन, अखाड़ा परिषद की चेतावनी और धर्माचार्यों की धमकी की वजह से उन्होंने पहले तो ना की फिर मान गए। फिरोज अपने खास दोस्त मैक्स को भी साथ ले आए। फिरोज ने काव्या और मैक्स के साथ संगम तक पहुंचने।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062